अभियांत्रिकी संकाय 1
कला संकाय 2
वाणिज्य संकाय 3
विज्ञान संकाय 4
समाज विज्ञान संकाय 4
प्रबंधन विभाग 5
शिक्षा संकाय 6
तकनीकी कॉलेज 7
महिला पॉलिटेक्निक 7
आर.ई.आई.इंटरमीडिएट कॉलेज 7
प्रेम विद्यालय 8
सम्पादकीय मण्डल 8

दयालबाग़ एजूकेशनल इन्स्टीट्यूट (डीम्ड यूनिवर्सिटी)
दयालबाग़, आगरा (उ. प्र.)

डी.ई.आई. समाचार

मई–जून–जुलाई 2014, प्रथम अंक

अभियांत्रिकी संकाय

शिक्षकोपलब्धियाँ–

डी.के. चतुर्वेदी को इन्स्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई) नई दिल्ली के कार्यपरिषद की बैठक में फैलो के रूप में अप्रैल 2014 को आमंत्रित किया गया।

डी.के. चतुर्वेदी को कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस और कम्युनिकेशन नेटवर्क के छठे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए तकनीकी बोर्ड के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया।

डी.के. चतुर्वेदी को ग्लोबल जर्नल ऑफ एनर्जी टेक्नॉलॉजी रिसर्च अपडेट्स– शोध जर्नल के संपादकीय मण्डल में मई 2014 को शामिल किया गया।

रश्मि चाहर, आशीष चंदोइक और डी.के.चतुर्वेदी "समाज पर इंटरनेट के प्रभाव का बुद्धिवादी विश्लेषण" शीर्षक शोध पत्र इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइबरनेटिक्स एवं इन्फॉर्मेटिक्स (IJCI) अंक–3 जून 2014 में प्रकाशित हुआ।

डी.के. चतुर्वेदी ने दिल्ली तकनीकी विश्वविद्यालय, दिल्ली के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेकनीक एंड देयर एप्लीकेशन्स टू पावर सिस्टम प्रॉब्लम्स' विषय पर विषय–विशेषज्ञ के रूप में 2 मई 2014 को व्याख्यान दिया।

डी.के.चतुर्वेदी ने निम्नलिखित शोधपत्रों की समीक्षा की–

- आईईईई, ट्रांजेक्शन ऑफ पावर सिस्टम TPWRS–00269–2014
- आईईईई, ट्रांजेक्शन ऑफ पावर सिस्टम TPWRS–00551–2014
- आईईईई, ट्रांजेक्शन ऑफ पावर सिस्टम्स TPWRS–00697–2014

छात्र गतिविधियाँ–

दि इंडियन सोसाइटी ऑफ टेक्निकल एजूकेशन ने इंजीनियरिंग और पॉलिटेक्निक के भारतीय छात्रों एवं शिक्षकों के लिए श्रीनिवास रामानुजन गणितीय प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का उद्देश्य इंजीनियरिंग से जुड़े छात्रों और शिक्षकों में रचनात्मकता और गणितीय प्रतिभा को बढ़ावा देना है। प्रतियोगिता क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर क्रमशः 9 नवंबर 2013 और 25 जनवरी 2014 को आयोजित की गई। विजेताओं के नाम 28 फरवरी 2014 को घोषित किए गए। डी.ई.आई. के तीन विद्यार्थियों ने प्रतियोगिता में जीत हासिल की। बी.टेक. तृतीय वर्ष, अभियांत्रिकी संकाय के छात्रों को नकद पुरस्कार, प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किये गये। विवरण इस प्रकार है–

1. निखिल गुलाटी – 1000 रुपये
2. अंशुमान चौहान – 2000 रुपये
3. अंकित त्यागी – 3000 रुपये

गेट 2014

अभियांत्रिकी संकाय के निम्नलिखित विद्यार्थियों ने गेट 2014 की परीक्षा में सफलता प्राप्त की–

मोहित तिवारी–मैकेनिकल (सी.एस.) कम्प्यूटर साइंस और सूचना तकनीक, अनुराग सरन–इलेक्ट्रिकल (सी.एस.) कम्प्यूटर साइंस और सूचना तकनीक, अक्षत सत्संगी–इलेक्ट्रिकल (सी.एस.) कम्प्यूटर साइंस और सूचना तकनीक, अंकित अरोरा–इलेक्ट्रिकल (ई.सी.) ईसीई, अंकित मित्तल इलेक्ट्रिकल (ई.सी.) ईसीई, अचिंत सत्संगी इलेक्ट्रिकल (ईसी) ईसीई, ध्रुव भंडारी–इलेक्ट्रिकल (ईसी) ईसीई, नितिन कुमार–इलेक्ट्रिकल (कोर) ईसीई, कशिश अग्रवाल–इलेक्ट्रिकल (कोर) ईई, शुभम रत्नम–इलेक्ट्रिकल (कोर) ईई, तुषार अग्रवाल–इलेक्ट्रिकल (सी. एस.) ईई, तन्मय मित्तल मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, शुभम अग्रवाल–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, कपिल अरोरा–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, शुभम वाही–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, अनुराग माहेश्वरी–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सागर सोनी–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, वैभव निगम–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, विनायक तिवारी–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, आशीष शाक्य–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, तरुन अग्रवाल–मैकेनिकल (औद्योगिक अभियांत्रिकी) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, दीपक कुमार–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, शिवम वाही–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सौरभ कुमार सिंह–मैकेनिकल (सी.एस.) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, नीतेश वर्मा–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, सार्थक भार्गव–मैकेनिकल (कोर) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, राहुल राठौर–मैकेनिकल (सी.एस.) मैकेनिकल इंजीनियरिंग, प्रुध्वी तेजा गोली–मैकेनिकल (औद्योगिक अभियांत्रिकी) औद्योगिक अभियांत्रिकी।

कला संकाय

नवीन पाठ्यक्रम–

गृह विज्ञान विभाग दो इस सत्र में व्यावसायिक डिग्री कोर्स प्रारम्भ करने जा रहा है – बी– वॉक (बैचलर ऑफ वोकेशनल एजूकेशन) :–

एपैरल मैन्यूफैक्चरिंग (जिसमें वस्त्र विज्ञान से सम्बन्धित कौशल सिखाया जाएगा)।

फूड प्रोसैसिंग एण्ड प्रिजर्वेशन (जिसमें फल एवं सब्जी संरक्षण प्रक्रिया, दूध व दूध से बनने वाले उत्पादों की प्रक्रिया एवं एग्रो प्रोडक्ट की प्रक्रिया सिखाई जाएगी)।

सम्बन्धित पाठ्यक्रमों के लिए यू.जी.सी. ने 1.85 करोड़ रूपये की स्वीकृति दे दी है।

शिक्षकोपलब्धियाँ–

स्वामी प्यारी कौड़ा, हिन्दी विभाग का ''विज्ञान और तकनीकी विषयों में हिन्दी के अभाव का कारण'' शीर्षक आलेख भाषागत शैक्षिक सन्दर्भ पुस्तक पृष्ठ संख्या 119–121, राखी प्रकाशन प्रा.लि., प्रथम संस्करण–2014 संजय प्लेस, आगरा में प्रकाशित हुआ।

स्वामी प्यारी कौड़ा, हिन्दी विभाग, द्वारा लिखित लघुकथा संकलन 'बनते–बिगड़ते चेहरे' में नौ लघुकथाएँ पृष्ठ संख्या 17–28, उद्योग नगर प्रकाशन, प्रथम संस्करण–2014, गाज़ियाबाद में प्रकाशित हुईं।

सुमन शर्मा एवं नमस्या ने राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर द्वारा आयोजित पुनश्चर्या कार्यक्रम में 15 जून 2014 से 5 जुलाई 2014 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया।

नीलू शर्मा, संगीत विभाग, ने 25 मई 2014 को नाद साधना, आगरा में तबला वादन प्रस्तुत किया।

सुधा सहगल, संगीत विभाग ने 1 जून से 30 जून 2014 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

सुधा सहगल ने 1 जून से 30 जून 2014 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'विभिन्न बंदिशों का सौन्दर्यात्मक पहलू' विषय पर गायन प्रस्तुत किया।

सुधा सहगल ने 1 जून से 30 जून 2014 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में 'हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की विभिन्न "शैलियाँ" विषय पर लेम–डेम प्रस्तुत किया।

सुधा सहगल ने 1 जून से 30 जून 2014 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में आयोजित शोध प्रशिक्षण कार्यक्रम में "रागा डाइनमिक एंड साइको–म्यूजिकोलोजिकल पर्सपेक्टिव क्रिटिकल स्टडी" विषय पर शोध–पत्र प्रस्तुत किया।

गिरधारीलाल शर्मा ने 5 जुलाई 2014 को गणेशी लाल संगीत समारोह, मथुरा में तबला वादन प्रस्तुत किया।

नीतू गुप्ता संगीत विभाग का 'लोक संगीत व लोक रंजन" विषय पर ह्यूमनटीज़ एंड सोशल साइंस रिसर्च अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ISSN 2278–8336 में शोध–पत्र प्रकाशित हुआ।

वाणिज्य संकाय

कार्यक्रम आयोजन–

एप्लाइड बिजनेस इकोनॉमिक्स विभाग द्वारा 'बैंकिंग ऑपरेशन्स'' नामक दस दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21 मई 2014 से 31 मई 2014 तक किया गया। जिसमें 10वीं तथा 12वीं कक्षा में अध्ययनरत 18 छात्रों व 21 छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। कार्यशाला में बैंकिग ऑपरेशन व ई–बैंकिंग सुविधाओं के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में छात्रों के प्रशिक्षण समन्वयक वी.के. गंगल व छात्राओं की प्रशिक्षण समन्वयक भावना जौहरी थीं। इस कार्यशाला में विभाग के स्वामी प्रसाद, शालिनी दुबे, सौरभ मनी, अनीशा सत्संगी, सुनेश्वर प्रसाद का विशेष रूप से योगदान रहा।

एकाउन्टेन्सी एण्ड लॉ विभाग द्वारा ''फन्डामेन्टल्स ऑफ एकाउन्टिंग, ऑडिटिंग एण्ड मर्केन्टाइल लॉ'' नामक 15 दिवसीय ग्रीष्मकालीन स्कूल–2014 कार्यक्रम का आयोजन 23 मई 2014 से 6 जून 2014 तक किया गया। इस कार्यक्रम में 12वीं कक्षा में अध्ययनरत 16 छात्रों व 09 छात्राओं द्वारा भाग लिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रवीन सक्सैना थे। इस कार्यक्रम में विभाग के प्रमोद कुमार, एल.एन. कोली, निधी शर्मा, सनिल, राकेश, पुष्पेन्द्र का विशेष रूप से योगदान रहा।

शिक्षकोपलब्धियाँ–

एल.एन. कोली का शोधपत्र ''रोल ऑफ मैनेजमेन्ट एकाउटिंग इन प्रोफिट प्लानिंग.ए केस स्टडी ऑफ बजाज ऑटो लि–''ए जर्नल ऑफ मैनेजमेन्ट ऐज, आई.एस.एस.एन. नं. 0976,431, भारती विद्यापीठ, नई दिल्ली से जनवरी–जून, 2014 को प्रकाशित हुआ।

एल.एन. कोली का शोधपत्र ''इम्पेक्ट ऑफ मैनेजमेन्ट ऑडिट सिस्टम ऑन एम्पलाइज़ प्रोडक्टिविटी–ए केस स्टडी ऑफ इण्डियन बैंकिग सैक्टर''ए ई.एस.आर.आई. जर्नल, राजस्थान में जुलाई, 2014 को प्रकाशित हुआ।

वी.के. गंगल, कश्मीर यूनीवर्सिटी, कश्मीर में विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 28–30 जून, 2014 को आमंत्रित किये गये।

वी.के. गंगल, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर द्वारा विषय विशेषज्ञ के रूप में दिनांक 10 जून 2014 को आमंत्रित किये गये।

संगोष्ठी–

एल.एन. कोली ने स्कूल ऑफ कॉमर्स एण्ड बिजनेस स्टडीज़, जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश द्वारा ''चेंजिंग सिनेरियो ऑफ ग्लोबल बिजनेस मैनेजमेण्ट'' विषय पर दिनांक 1–2 जून, 2014 को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

विज्ञान संकाय

शिक्षकोपलब्धियाँ–

विभारानी सत्संगी ने 22 मई 2014 को जीवाजी विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती समारोह के अवसर पर 'सोलर हाइड्रोजन ऊर्जा संकट का समाधान' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

स्निग्धा राय, आशी इकरम, सोनल सहाय, साहब दास, रोहित श्रीवास्तव तथा विभारानी सत्संगी द्वारा लिखित शोधपत्र "मर्फोलोजिकल, ऑप्टिकल एंड फोटोकैमिकल प्रॉपर्टी ऑफ Fe_2O_3-GNP कॉम्पोजिट थिन फिल्म्स" RSCAdv, 17671–17679 अप्रैल 2014 को प्रकाशित हुआ। इम्पैक्ट फ़ैक्टर–2.562।

पंकज, शिखा गोयल तथा प्रेमकिशोर पटनाला द्वारा लिखित शोध पत्र "दिग्रेडेसन ऑफ रिएक्टिव, एसिडिक एंड बेसिक डाइज़इन द प्रेजेंस ऑफ अल्ट्रासाउंड एंड रेयर अर्थ (लाइंथेनम एंड प्रेसोडाइमियम)" अल्ट्रासोनिक एंड सोनोकेमिस्ट्री , 2014 अंक– 21, 1994–2009 में प्रकाशित हुआ। इम्पैक्ट फ़ैक्टर–3.516।

पंकज, शिखा गोयल तथा प्रेमकिशोर पटनाला द्वारा लिखित शोध पत्र "रोल ऑफ साइरिक आयन (Ce4+) इन द सोनोसर्पसन ऑफ एसिड रेड 114, रिएक्टिव ब्लू 21 एंड बेसिक वॉयलेट 16 डाइज़ ऑन Tio2" जर्नल ऑफ प्योर एंड एप्लाइड अल्ट्रासोनिक्स, 2013 अंक 35 पृष्ठ 129–132 में प्रकाशित हुआ।

आशी इकरम, सोनल सहाय, स्निग्धा राय, रोहित श्रीवास्तव, साहब दास, विभा रानी सत्संगी का शोधपत्र "CdSe क्वान्टम डॉट्स मोडीफोइड सोल जल डीराईव्ड Fe_2O_3 थिन फिल्म्स इन सोलर जेनरेशन ऑफ हाइड्रोजन", NCNRE, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में 28–29 अप्रैल 2014 को प्रकाशित हुआ।

राजीव रंजन को इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च, सस्टेनबिलिटी एंड फूड सफिशिएन्सी का संपादक नियुक्त किया गया।

राजीव रंजन ने प्लांट मोलिक्युलर बायोलॉजी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय में 12 जुलाई 2007–12 मई 2014 तक समर रिसर्च फेलोशिप में सफलतापूर्वक कार्य किया।

समाज विज्ञान संकाय

लाइफ लॉन्ग लर्निंग एंड एक्सटेंसन डिपार्टमेन्ट में लघु अवधि के पाठ्यक्रम–

लघु अवधि के सर्टिफिकेट कोर्स : सिलाई एवं कढ़ाई, मुद्रण और चित्रकला, चित्रण एवं हस्तकला और मुखर और वाद्य संगीत से संबंधित लघु अवधि के पाठ्यक्रम मई और जून 2014 के दौरान विभाग द्वारा आयोजित किए गए। इन पाठ्यक्रमों की अवधि एक माह, पंद्रह दिन और एक सप्ताह थी। इन पाठ्यक्रमों में शिक्षार्थियों का कुल नामांकन 292 था।

विश्व पर्यावरण दिवस 2014–

विश्व पर्यावरण दिवस 2014 के अवसर पर युवाओं और बच्चों के लिए विभाग में प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। चौदह प्रतिभागियों ने निबंध लेखन में भाग लिया तथा चौबीस बच्चों ने कविता पाठ एवं बीस प्रतिभागियों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया।

वी बोर्ड परीक्षा–

बाल शिक्षा केन्द्र, नगला हवेली के पांच बच्चों ने नगर निगम, आगरा द्वारा आयोजित वी बोर्ड परीक्षा में भाग लिया तथा वे सभी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुए।

वार्षिक दिवस–

बाल शिक्षा केन्द्र का वार्षिक दिवस समारोह 10 मई 2014 को मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल होने के लिए तथा सत्र के दौरान आयोजित गतिविधियों में भाग लेने के लिए पुरस्कृत किया गया।

ग्रीष्मकालीन शिविर

बाल शिक्षा केन्द्र, नगला हवेली द्वारा एक महीने, 2–30 जून 2014 के ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर के दौरान बच्चों को हस्तशिल्प एवं अपशिष्ट पदार्थों के रचनात्मक उपयोग के बारे में प्रशिक्षित किया गया। शिविर में बच्चों ने वाचनालय की सुविधा का लाभ उठाया और इनडोर खेलों तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। नैतिक मूल्यों, पर्यावरण और स्वास्थ्य एवं स्वच्छता के आधारभूत ज्ञान से परिचय कराया गया। इस अवसर पर एक हस्तशिल्प प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विजेताओं को शिविर के समापन समारोह में पुरस्कार प्रदान किए गए। पैंतीस बच्चों ने शिविर में भाग लिया।

प्रबंधन विभाग

शिक्षकोपलब्धियाँ–

21 अप्रैल, 2014 को शांति स्वरूप कंडिकोंडा तथा सुश्री मुक्तिश्रीनारायण ने अरिजोना विश्वविद्यालय द्वारा 'चेतना के विज्ञान की ओर' विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 'इन्हेंसिंग रिस्क कांशस्नेस यूजिंग सेल्फ रिफलेक्सन' ए केस स्टडी ऑफ अन इंडियन इंटरप्रेन्योर' विषय पर एक पोस्टर प्रदर्शित किया। उन्होंने 24 अप्रैल 2014 – 2 मई, 2014 के बीच टोरंटो विश्वविद्यालय, कनाडा, वाटरलू विश्वविद्यालय, टोरंटो विश्वविद्यालय, येर्सन विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय और सेनेका कॉलेज का दौरा किया. उन्होंने वहाँ के उद्यमियों से बातचीत की तथा विभिन्न संस्थानों का भ्रमण किया। उन्होंने मरखाम, ओंटारियो, कनाडा में 28 अप्रैल 2014 को ओंटारियो केन्द्रों के प्रबंधकों के लिए एस.एम.ई.एस.के विकास और उसके जोखिम के न्यूनीकरण की रणनीति पर एक आमंत्रित व्याख्यान भी दिया।

अनूप श्रीवास्तव ने टीएससी–2014 में भाग लिया, और 'मूल्य परक शिक्षा और पूर्व–पश्चिम फोरम में 'दैनिक आध्यात्मिक अनुभव स्कूल के छात्रों का एक तुलनात्मक अध्ययन शीर्षक से शोधपत्र पढ़ा। श्री अनूप श्रीवास्तव ने एक और शोध पत्र प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था–'जुंगीयन व्यक्तित्व की चेतना से संबंधित आयामों पर योग और ध्यान का प्रभाव'।

अनूप श्रीवास्तव ने वाटरलू विश्वविद्यालय, कनाडा के सिविल इंजीनियरिंग विभाग में परिवहन इंजीनियर्स संस्थान (UW-ITE) द्वारा आयोजित 'व्याख्यात्मक संरचनात्मक प्रणाली' भारतीय रेल के सुरक्षा प्रबंधन के लिए' शीर्षक से एक अतिथि व्याख्यान भी दिया।

अनूप श्रीवास्तव ने फ्रांस के पारिस्थितिकी, सतत विकास एवं ऊर्जा मंत्रालय और आईएफएसटीटीएआर द्वारा आयोजित सम्मेलन जिसका विषय था– "परिवहन समाधान अनुसंधान से क्रियान्वयन तक" – में एक और शोधपत्र प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था– 'रेलवे में बेहतर सुरक्षा प्रबंधन के लिए सुरक्षा व्यवस्था की व्याख्यात्मक संरचनात्मक प्रणाली'।

सुनीता कुमारी ने उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ, डी.ई.आई. के अन्य सदस्यों के साथ कनाडा के निम्नलिखित उच्च शिक्षा संस्थानों का दौरा किया– एडमोंटन विश्वविद्यालय, अल्बर्टा, वाटरलू विश्वविद्यालय, टोरंटो विश्वविद्यालय।

- मनुष्य की सफलता व असफलता का अधिक भाग उसके आचरण के उत्थान व पतन पर निर्भर है और उसके आचार का निर्माण जवानी के वक्त में ही होता है। इसलिये आपको अपना आचरण अत्यंन्त उत्तम व पवित्र बनाना चाहिए जिससे कि आप भविष्य के संग्राम में विजयी हो सकें।

  Param Guru Huzur Sahabji Maharaj

- ''यदि आप लोग अपने विद्या प्राप्त करने के ज़माने को बरबाद नहीं करना चाहते तो काम को शौक व मेहनत से करके उससे अनुभव व योग्यता प्राप्त करें और उसके अनुसार अपने जीवन को ऊँचा बनायें तो सफलाता अवश्य मिलेगी।

  Gracious Huzur Mehtaji Maharaj

शिक्षा संकाय

शिक्षकोपलब्धियाँ–

के.सी. वशिष्ठ और परवेन्द्र सिंह बिरला द्वारा लिखित शोधपत्र 'सतत्, व्यापक मूल्यांकन और श्रेणी निर्धारण (CCEG) एक महत्त्वपूर्ण मूल्यांकन', विश्वविद्यालय समाचार, अंक.52, संख्या.22. ISSN–0566–2257, पृष्ठ–8–14 में प्रकाशित हुआ।

अरुण कुमार कुलश्रेष्ठ, आरती सिंह और कृतिका कुमारी का शोधपत्र पूछताछ पर आधारित शैक्षिक सामग्री का विकास कैसे करें', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, खंड 2, अंक 5, ISSN 2320–5407 इम्पैक्ट फैक्टर–1.659, मई 2014, पृष्ठ–972–975 में प्रकाशित हुआ।

सोना आहूजा द्वारा लिखित शोधपत्र'शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक, आध्यात्मिक, सामाजिक और आत्म चेतना का पारस्परिक विश्लेषण' इंडियन जर्नल ऑफ एप्लाइड रिसर्च, (6)4, जून 2014, ISSN–2249–555 को प्रकाशित हुआ।

सोना आहूजा द्वारा लिखित शोधपत्र 'चेतना और चैतन्यता पर योग और ध्यान के प्रभाव', जर्नल ऑफ कांसस्नेस एक्सप्लोरेशन एण्ड रिसर्च, (5)5, 2014, ISSN–2153–8212 को प्रकाशित हुआ।

सोना दीक्षित और इंदु शर्मा का शोधपत्र 'श्रीमद भागवत महापुराण के संदर्भ में नारी एवं उसके अधिकार एक विस्तृत अध्ययन, परिप्रेक्ष्य–इंडियन जर्नल ऑफ रिसर्च', अहमदाबाद, अंक– 3, अंक 5, मई 2014 को प्रकाशित हुआ (ISSN–2250–1991 इम्पैक्ट फैक्टर–1.671)।

सोना दीक्षित का 'इम्पैक्ट ऑफ स्पृचुअल एजुकेशन ऑन सोशल कॉनससनेस ऑफ बी.एड ट्रेनी एन इवैलुएटिव स्टडी' शोधपत्र एशियन रेजोनेन्स, अंतर्राष्ट्रीय शोधपत्रिका, खंड तृतीय, अंक–द्वितीय. ISSN 0976–8602. में प्रकाशित हुआ। इम्पैक्ट फ़ैक्टर–3.676।

आरती सिंह का 'सात्विक शिक्षा का सार्वभौमिकीकरण समस्या एवं समाधान' शीर्षक आलेख 'भारत में प्रारंभिक शिक्षा चुनौतियाँ एवं प्रसार' पुस्तक नोएडा, मई, 2014 में प्रकाशन के लिए स्वीकृत हुआ। जिसके संपादक अग्निवेश गुप्ता हैं।

नंदिता सत्संगी ने 24–25 अप्रैल 2014 को एरिजोना विश्वविद्यालय, टक्सन के अँग्रेजी विभाग और शिक्षा विभाग का भ्रमण किया। उन्होंने 28–29 अप्रैल 2014 को मैरीलैंड विश्वविद्यालय, कॉलेज पार्क में शिक्षण उत्कृष्टता केंद्र, अंतर्राष्ट्रीय पहल कार्यालय, व्यावसायिक शिक्षा विकास स्कूल का दौरा किया। उन्होंने 30 अप्रैल–1 मई 2014 को उत्तरी केरोलिना विश्वविद्यालय विलमिंगटन के शिक्षा विभाग की जाँच परियोजना में भाग लिया और सांस्कृतिक कला केंद्र में प्रदर्शिनी का निरीक्षण भी किया।

गुरुप्यारी सत्संगी को "लिविंग सिस्टम" पर एसएसआई कानपुर चैप्टर द्वारा प्रायोजित, एवं दयानंद महिला प्रशिक्षण महाविद्यालय, कानपुर द्वारा आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में 28 जून 2014 को आमंत्रित किया गया।

क्षमा पांडे ने एकेडेमिक स्टाफ कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय में 22 मई से 18 जून 2014 तक आयोजित होने वाले अभिविन्यास पाठ्यक्रम में भाग लिया।

संगोष्ठी

नंदिता सत्संगी ने टीएससी 2014 में प्रतिभाग किया और 21 अप्रैल को 'ए स्टडी ऑफ द इंट्यूटिव एबिलिटीज़ऑफ स्टूडेंट्स इन होलिस्टिक एण्ड नॉन होलिस्टिक सिस्टम ऑफ लर्निंग" शीर्षक पत्र प्रस्तुत किया, तथा 23 अप्रैल को निम्न विषयों पर पोस्टर प्रस्तुतियाँ दीं–

(i) पुस्तकालय जाने वाले बच्चों की चेतना को मल्टीमीडिया के प्रयोग को बढ़ावा देना

(ii) परिवर्तनकारी और चैतन्य नेतृत्व का चेतना से संबंध।

वार्षिक पुरस्कार समारोह

शिक्षा संकाय ने 12 मई को अपना वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह मनाया जिसमें लगभग 250 छात्रों को संकाय स्तर पर आयोजित होने वाले विभिन्न एकल और समूह गतिविधियों में खेल और गैर–शैक्षिक गतिविधियों के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र दिया गया। इस अवसर पर संकाय के एमेरिटस प्रोफेसर उपस्थित थे और उन्होंने पुरस्कार विजेताओं को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर सभी संकाय सदस्यों की उपस्थिति ने छात्रों को खुशी और उत्साह से भर दिया।

तकनीकी कॉलेज

शिक्षकोपलब्धियाँ–

नवीन देव, रविशंकर और रोमा देबनाथ का "सप्लाई चेन एफिसीएन्सी आ सिमुलेशन कम डीईए अप्रोच" शोधपत्र एडवांस मैनुफैइक्चरिंग टेक्नोलोजी (स्प्रिंगर) अंतर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका अंक–72, पृष्ठ–1537–1549 में प्रकाशित हुआ।

महिला पॉलिटेक्निक

प्रेमकली शर्मा ने डी० ई० आई० समरकैंप में 25.05.2014 को "धर्म और विज्ञान" तथा 26.05.2014 को "चेतना" विषय पर व्याख्यान दिया।

ऑफिस मैनेजमेंट एंड सेक्रेटेरियल विभाग में 22.05.2014 से 05.06.2014 तक टाइपिंग कोर्स का आयोजन हुआ जिसकी संयोजिका संतोष श्रीवास्तव थीं और श्रीमती माधुरी मेहता तथा श्रीमती मीनू जग्गा कोर्स शिक्षिका थीं ।

आर.ई.आई. इंटरमीडिएट कॉलेज

विद्यालय की 12वीं–जीवविज्ञान (सत्र 2012–13) के एक छात्र नितीश कुमार ने 2014 की ऑल इंडिया पी० एम० टी०, एम्स पी० एम० टी० परीक्षाओं में क्रमशः 1110, 1084 वाँ स्थान प्राप्त किया। वर्तमान में यह छात्र एस० एन० मेडिकल कॉलेज, अरगरा में प्रवेश ले चुका है। विद्यालय के 12वीं कॉमर्स (सत्र 2013–14) के छात्र देवेश कुमार का डी० ई० आई० के बी० बी० एम० कोर्स में प्रवेश हुआ।

विद्यालय के 12वीं. गणित (सत्र 2013–14) के 13 छात्रों का प्रवेश डीईआई के बी० टेक० कोर्स हेतु हुआ है जिनके नाम निम्न हैं – गौरव कुशवाह , रविकान्त , अमित कुमार सत्संगी, आनंद स्वरूप निगम, अगम सत्संगी, वी० गुरु आरत, सुमिर त्यागी, अमनदीप सिंह, बी पुनीत, मोहित गोयल, देवेश सिंह, विशाल सक्सेना, मनीष सिंह।

सत्र 2013–14 के कक्षा 10 पास निम्नलिखित छात्रों का प्रवेश डी० ई० आई० के पोलीटेक्निक कॉलेज में हुआ है : अभिषेक सिंह चौहान, अंश अग्रवाल, डी० उदय, मयंक गुप्ता, रवि सिंह, सहज सैनी, उदय विनायक, हर्ष शर्मा, शाश्वत यादव, निर्मल हंस, उमंग गोयल, उमंग श्रीवास्तव, अचल सरन, डी अगम, पुष्पेंद्र कुमार, आनंद कुमार ।

जुलाई माह में विद्यालय में निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ हुईं जिनका परिणाम निम्नवत् है–

साइकिल दौड़ – 18 जुलाई 2014

सब जूनियर वर्ग – सतीश कुमार (कक्षा–आठ) प्रथम, एन अर्श मूर्ति (कक्षा–सात) द्वितीय, दयाल सिंह (कक्षा–आठ)तृतीय

जूनियर वर्ग – अगम कुमार (कक्षा–दस–ए) प्रथम, रोहित सिंह (कक्षा–नौ–बी) द्वितीय, राहुल कुमार यादव (कक्षा–दसवीं–ए) तृतीय

सीनियर वर्ग – संत सरन सिंह (कक्षा–ग्यारवीं–सी) प्रथम ,राम चौधरी (कक्षा–बारहवीं–ए) द्वितीय, संदीप (कक्षा–दसवीं–सी) तृतीय

क्रॉस कंट्री दौड़ – 21 जुलाई 2014

सब जूनियर वर्ग – श्याम सुंदर (कक्षा–आठ)–प्रथम, अनुज सारस्वत (कक्षा–आठ) द्वितीय, अनुज कुमार (कक्षा–छह) तृतीय

जूनियर वर्ग – अगम कुमार (कक्षा–दसवीं–ए) प्रथम, सुमित कुमार (कक्षा–नौ–बी) द्वितीय, रोहित सिंह (कक्षा–नौ–बी) तृतीय

सीनियर वर्ग – संजू वर्मा (कक्षा–नौ–ए) प्रथम, जितेंद्र सिंह (कक्षा–9–सी) द्वितीय, प्रकाश (कक्षा–दस–सी) तृतीय

धीमी साइकिल दौड़ – 23 जुलाई 2014

सब जूनियर वर्ग – यशवर्धन (कक्षा–सात) प्रथम , अनुज सारस्वत (कक्षा–आठ) द्वितीय, आरत सत्संगी (कक्षा–आठ)तृतीय

जूनियर वर्ग – अगम कुमार (कक्षा–दस ए) प्रथम ,संजीव यादव (कक्षा–दस ए) द्वितीय, यशकान्त (कक्षा–दस–बी) तृतीय

सीनियर वर्ग – अगम यादव (कक्षा–बारहवीं–ए) प्रथम ,संत सरन (कक्षा–ग्यारह–सी) द्वितीय, वैभव चतुर्वेदी (कक्षा–ग्यारह–ए) तृतीय

प्रेम विद्यालय

महिमा कान्त कक्षा आठ ने सातवें अंतर्राष्ट्रीय मैथ्स ओलम्प्याड और राष्ट्रीय विज्ञान ओलम्प्याड में भाग लिया जिसमें द्वितीय राउण्ड में पहुँच कर महिमा ने उक्त दोनों प्रतियोगिताओं में मैरिट के प्रमाणपत्र प्राप्त किये।

आर ० एस ० एस० मोक्तिका कक्षा ग्यारहवीं–सी, ने जुलाई में आयोजित सातवें अंतर्राष्ट्रीय मैथ्स ओलम्प्याड के द्वितीय राउण्ड में भाग लिया और उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में 88 अंक प्राप्त कर मैरिट प्रमाणपत्र प्राप्त किया। उनकी अंतर्राष्ट्रीय रैंक 785 थी।

तमन्ना श्रीवास्तव कक्षा–नौ–बी, ने जुलाई में आयोजित राष्ट्रीय विज्ञान ओलम्प्याड में भाग लिया जिसमें द्वितीय राउण्ड में पहुँच कर मैरिट का प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

Gracious Huzur Mehtaji Maharaj

- आप यहाँ पर रहकर अपना ध्यान अपनी पढ़ाई की तरफ रक्खें, अपने समय की कद्र करना सीखें। व्यायाम करके अपने शरीर व स्वास्थ्य को ठीक रक्खें और व्यर्थ कामों व बातों में अपना समय व धन नष्ट न करें। ऐसा करने से आप सदैव प्रसन्न रहेंगे, अपने जीवन में सफल रहेंगे और यहाँ के शिक्षालयों से पूरा लाभ उठा सकेंगे।

Param Guru Huzur Dr. M. B. Lal Sahab

- हम सबको इस बात की खुशी है कि भारत सरकार यहाँ पर यूनिवर्सिटी कायम करने के लिये सहमत हो गई और इस साल असली तौर पर यूनिवर्सिटी बनती देख ली। जो शिक्षा पद्धति हुजूर साहबजी महाराज यहाँ जारी करना चाहते थे यानी Academic Education (विद्या सम्बन्धी शिक्षा) के साथ-साथ Vocational (व्यावसायिक) व Technical (तकनीकी) शिक्षा भी दी जाय, ठीक उसी प्रकार की शिक्षा भी यहाँ अब जारी की गई है।
- मैं आपको बताऊँ, कि शुरू में दयालबाग़ के शिक्षकों और अध्यापकों के लिये 'अनुशासन' ही मूल मन्त्र (key word) था। अनुशासन विभिन्न लोगों की गतिविधियों को सही दिशा में सक्रिय करता है। यह आवश्यक है कि सम्पूर्ण व्यवस्था समुचित ढंग से संगठित हो। यह तभी सम्भव है जब कि उस ग्रुप (समूह) के समाज के मेम्बर निश्चित सिद्धान्तों के अनुसार काम करें।

Most Revered Dr. P.S. Satsangi Sahab

- भारत के जो श्रषि मुनि हुए वे पाँचों ज्ञानेन्द्रियों से प्राप्त ज्ञान से संतुष्ट नही थे, उन्होंने साधना की, उन्हें आन्तरिक ज्ञान प्राप्त हुआ, उनमें परिवर्तन आया। वास्तविकता जानने के लिये आन्तरिक ज्ञान आवश्यक है। ये आन्तरिक चक्षु तभी प्राप्त होते हैं जब हृदय में शुद्धि हो और परमात्मा की कृपा हो।
- आपको विदित है कि इस संस्थान का प्रमुख उद्देश्य सम्पूर्ण मानव उद्भव की अभिकल्पना है और यह संस्थान आपके सर्वांगीण विकास और संतुलित बौद्धिक, शारीरिक, आध्यात्मिक और नैतिक विकास पर बल देता है जो आज की इक्कीसवीं शताब्दी में भी उतना ही सार्थक है जितना कि पिछली शताब्दियों में था।

सम्पादकीय मण्डल

संरक्षक	:	प्रो. पी.के. कालड़ा
सम्पादक	:	प्रो. आदित्य प्रचण्डिया
उपसम्पादक	:	डॉ. स्वामी प्यारी कौड़ा डॉ. नमस्या
समाचार संयोजक	:	डॉ. अशोक यादव डॉ. अभिमन्यु डॉ. अनीशा सत्संगी श्री राजीव रंजन डॉ. वीरपाल सिंह ठेनुआ डॉ. क्षमा पाण्डेय श्री मयंक कुमार अग्रवाल